चेतना

शनिवार
बिहार
05-सितंबर-2026
Saturday
वर्ष : 5
प्रादेशिक संस्करण

शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित

संपादकीय
चेतना सत्र
सविधान
दैनिक कार्ययोजना
पीएम पोषण योजना
सुरक्षित शनिवार

भारत के संचार; पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
ज्योतिरादित्य सिंधिया

बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री
सुनील कुमार

SEPTEMBER			2026			
र.	सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

4 श्री कृष्ण जन्माष्टमी
14 हरि तालिका वर्त (तीज वर्त)
25 अनन्त चतुर्दशी

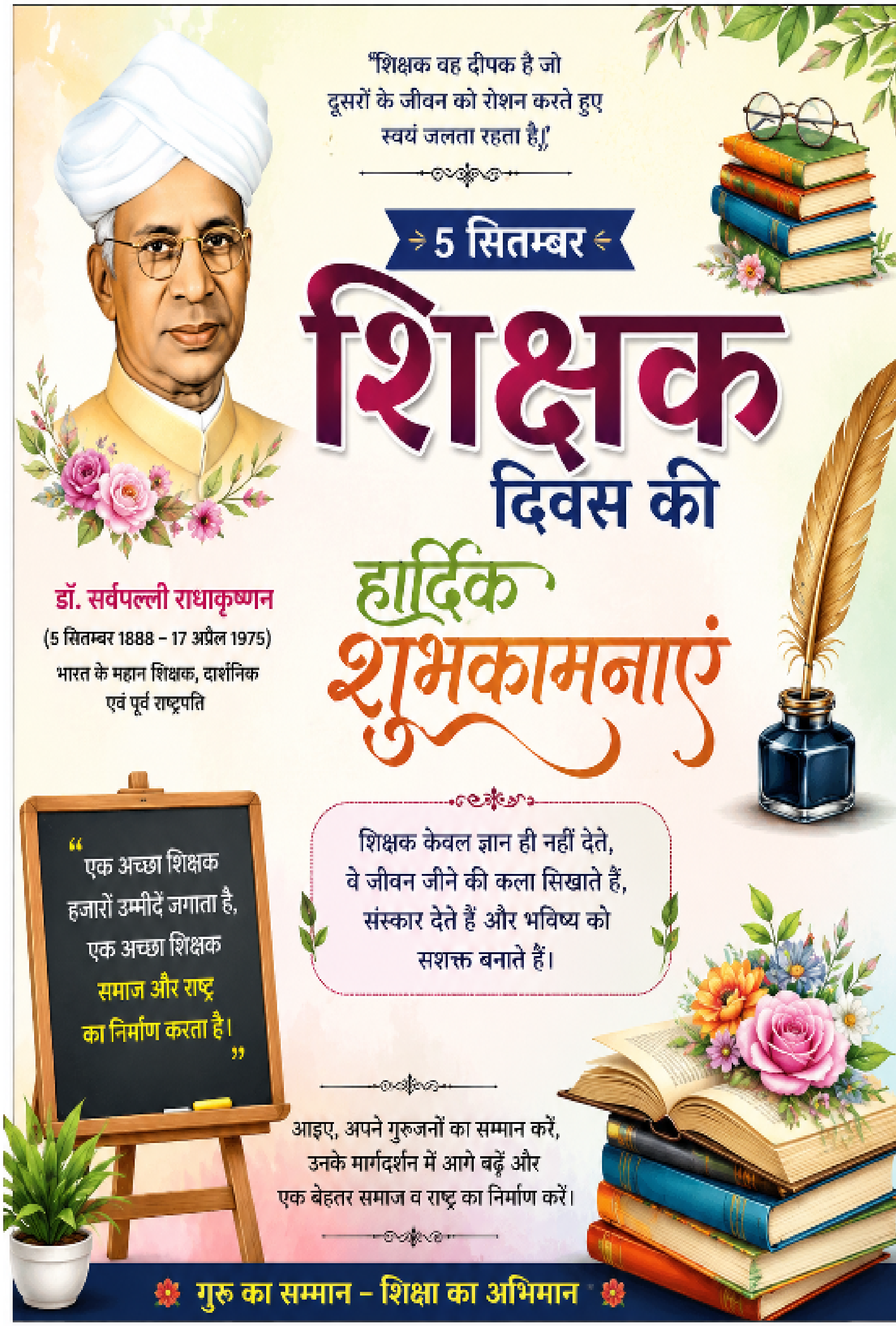

अनिल कुमार प्रभाकर
प्रधान संपादक

श्री कुंदन कुमार वर्मा
संपादक

फरहान
संपादक मंडल

श्रीमती रिंकू कुमारी
संपादक मंडल

श्री राकेश कुमार
संपादक मंडल

श्री सुशील कुमार यादव
संपादक मंडल

चेतना

"टीचर्स ऑफ बिहार" द्वारा प्रकाशित *"चेतना"* दैनिक पत्रिका बिहार के शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं के शैक्षिक बेहतरी के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। इसमें सम्मिलित सामग्री शिक्षकों को विद्यालय के दैनिक कार्य में मदद करती है। आइए, हम सब मिलकर इस अनूठे प्रयास का हिस्सा बनकर

हमारे महान विभूति

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति

जीवन परिचय

नाम	:	**डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन**
जन्म	:	5 सितंबर 1888
जन्म स्थान	:	तिरुत्तनी, तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी
पिता	:	सर्वपल्ली वीरस्वामी
माता	:	सीतम्मा
पति/पत्नी	:	सिवाकामु (शिवकाममा)
शिक्षा	:	दर्शनशास्त्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर
अवार्ड	:	भारत रत्न (1954)
नागरिकता	:	भारतीय
मृत्यु	:	17 अप्रैल 1975

-: आज की प्रेरणा :-

फूलों की खुशबू सिर्फ हवा की दिशा में फैलती है, लेकिन अच्छे व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।

आज से हम :

अपनी अच्छाई की खुशबू हर दिशा में फैलाएँ...

The fragrance of flowers spreads only in the direction of the wind... however the goodness of a good person spreads in all directions!

Today Onwards Let's :

spread the fragrance of our goodness in all.

नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

चेतना सत्र

चेतना

05-सितंबर-2026 Saturday शनिवार वर्ष 05

1. प्रार्थना

प्रार्थना

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है तू रहीम हैं, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशु मसीह, हर नाम में तू समा रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है।
तेरी जात पाक कुरान में, तेरा दर्श वेद पुराण में,
गुरु ग्रन्थ जी के बखान में, तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान,
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान
विधि वेद का है ये सब रचन, तेरा भक्त तुझको बुला रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शातिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शाति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

अपनी स्वयं की क्षमता से काम करो, दूसरों पर निर्भर मत रहो।

3. शब्द ज्ञान

	English		
1.	Homemaker	होम मेकर	गृहिणी
2.	Height	हाइट	ऊंचाई
3.	Depth	डेप्थ	गहराई

हिन्दी	
आपूर्ति	भरना
निर्वाह	वहन करना
पुख्ता	पक्का

संस्कृत	
प्रणयति	प्रेम करता है।
प्रतिष्ठति	प्रतिष्ठा करता है
प्रभवति	प्रकट होता है

	اردو (उर्दू)		
1.	تواضع	Tawajah	आदर
2.	ضعيف	Zaeef	निर्बल
3.	شفقت	Shafqat	ममता

4. दिवस ज्ञान

शिक्षक दिवस

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. डायमंड हार्बर : कोलकाता
2. इलेक्ट्रॉनिक नगर : बेंगलुरू
3. बिहार का शोक : कोसी

6. तर्क ज्ञान

1. यदि आज सोमवार है, तो 10 दिन बाद कौन-सा दिन होगा? : गुरुवार
2. एक पंक्ति में राहुल बाएँ से 8वें और दाएँ से 12वें स्थान पर है। कुल कितने बच्चे हैं? : 19
3. एक व्यक्ति पूर्व की ओर 10 मीटर चलता है, फिर बाएँ मुड़कर 5 मीटर चलता है। अब वह किस दिशा में है? : उत्तर

7. गुण सधि

1. कमलेश : कमल + ईश
2. कर्णोध्दार : कर्ण + उध्दार
3. खगेश : खग +ईश

8. प्रेरक प्रसंग

समय की पाबंदी

बात साबरमती आश्रम में गांधी जी के प्रवास के दिनों की है। एक दिन एक गाँव के कुछ लोग बापू के पास आए और उनसे कहने लगे, "बापू कल हमारे गाँव में एक सभा हो रही है, यदि आप समय निकाल कर जनता को देश की स्थिति व स्वाधीनता के प्रति कुछ शब्द कहें तो आपकी कृपा होगी।"

गांधी जी ने अपना कल का कार्यक्रम देखा और गाँव के लोगों के मुखिया से पूछा, "सभा के कार्यक्रम का समय कब है?"
मुखिया ने कहा, "हमने चार बजे निश्चित कर रखा है।"
गांधी जी ने आने की अपनी अनुमति दे दी।
मुखिया बोला, "बापू मैं गाड़ी से एक व्यक्ति को भेज दूँगा, जो आपको ले आएगा। आपको अधिक कष्ट नहीं होगा।
गांधी जी मुस्कराते हुए बोले, "अच्छी बात है, कल निश्चित समय मैं तैयार रहूँगा।"
अगले दिन जब पौने चार बजे तक मुखिया का आदमी नहीं पहुँचा तो गांधी जी चिंतित हो गए। उन्होंने सोचा अगर मैं समय से नहीं पहुँचा तो लोग क्या कहेंगे। उनका समय व्यर्थ नष्ट होगा।

गांधी जी ने एक तरीक़ा सोचा और उसी के अनुसार अमल किया। कुछ समय पश्चात मुखिया गांधी जी को लेने आश्रम पहुँचा तो गांधी जी को वहाँ नहीं पाकर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ। लेकिन वह क्या कर सकते थे। मुखिया सभा स्थल पर पहुँचा तो उन्हें यह देख कर और अधिक आश्चर्य हुआ कि गांधी जी भाषण दे रहे हैं और सभी लोग तन्मयता से उन्हें सुन रहे हैं।

भाषण के उपरांत मुखिया गांधी जी से मिला और उनसे पूछने लगा, "मैं आपको लेने आश्रम गया था लेकिन आप वहाँ नहीं मिले फिर आप यहाँ तक कैसे पहुँचे?"

गांधी जी ने कहा, "जब आप पौने चार बजे तक नहीं पहुँचे तो मुझे चिंता हुई कि मेरे कारण इतने लोगों का समय नष्ट हो सकता है इसलिए मैंने साइकिल उठाई और तेज़ी से चलाते हुए यहाँ पहुँचा।"

मुखिया बहुत शर्मिंदा हुआ। गांधी जी ने कहा, "समय बहुत मूल्यवान होता है। हमें प्रतिदिन समय का सदुपयोग करना चाहिए। किसी भी प्रगति में समय महत्वपूर्ण होता है।"
अब उस युवक की समझ में मर्म आ चुका था।

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

– रविन्द्रनाथ टैगोर

राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम्
सुजालां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यशामलां मातरम्।
शुभ्रज्योत्सनापुलकितयामिनिं
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीं
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीं
सुखदां वरदान मातरम्।। 1.. वंदे मातरम्।
कोटि-कोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-कराले
कोटि-कोटि-भुजैरधृत-क्रकरवाले,
अबला केन मा एते बल।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम्।। 2.. वंदे मातरम्।
तुम विद्या, तुमि धर्मि, तुम हृदि, तुमि मर्म
त्वं हि प्राणा: शरीरे, बहुते तुमि मां शक्ति,
हृदये तुमि मां भक्ति, तोमरै प्रतिमा घड़ी
मंदिरे-मंदिर मातरम्।। 3 .. वंदे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी, कमला कमलदलविहारिणी
वाणीदायिनी, नमामि त्वम्, नमामि कमलां अमलां अतुलां
सुजालां सुफलां मातरम्।। 4.. वंदे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषितां
धरणिं भरणिं मातरम्।। 5.. वन्दे मातरम् ।।

– बंकिमचन्द्र चटर्जी

मौलिक अधिकार

1. समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
2. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
4. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
5. संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

संविधान में उपबंधित मौलिक कर्तव्य

1. संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।
2. स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।
3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।
4. देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।
5. भारत के लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।
6. हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।
7. वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।
8. मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।
9. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।
10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।
11. 6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें संविधान द्वारा जोड़ा गया)

भारत के संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :
सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता,
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

दैनिक कार्ययोजना (DAILY PLANNER)

चेतना

05-Sep-2026	Saturday शनिवार

आज के टॉप 3 कार्य

- [ ]
- [ ]
- [ ]

RATE YOUR DAY

कुल नामांकित छात्रों कि संख्य :

आज उपस्तिथ छात्रों कि संख्य :

MDM खाने वालों छात्रों कि संख्या :

TIME TRACKER

09:30 AM	
10:00 AM	
10:40 AM	
11:20 AM	
12:00 PM	
01:20 PM	
02:00 PM	
02:40 PM	
03:20 PM	
04:00 PM	

TO DO'S

- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]
- [ ]

CALLS / EMAIL

MENU OF THE DAY

- [ ] BREAKFAST
- [ ] LUNCH
- [ ] SNACKS
- [ ] DINNER

WATER

EXERCISE ______ hours

MONEY TRACKER

+/-	AMOUNT	EXPENSE / SAVED

HIGHLIGHT OF THE DAY

पीएम पोषण योजना

चेतना

05-सितंबर-2026 Saturday शनिवार वर्ष 05

पीएम पोषण योजना का मेनू : -

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मीनू
05-Sep-2026	शनिवार	खिचड़ी (हरी सब्जी युक्त) + चोखा

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

- *बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।*
- *बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।*
- *बच्चों के बीच सामाजिक समता।*
- *बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।*
- *बच्चों के छीजन में कमी।*
- *नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।*
- *बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।*

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-12-2024 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	120.00	2.40
सब्जी	50 Gram	28.00	1.40
तेल	5 Gram	160.00	0.80
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.68
जलावन	100 Gram	15.00	1.50
		कुल =	6.78

कक्षा 06 से 08 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	120.00	3.60
सब्जी	75 Gram	28.00	2.10
तेल	7.5 Gram	160.00	1.20
मसाला / नमक	स्वादुनसार		1.02
जलावन	150 Gram	15.00	2.25
		कुल =	10.17

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

प्रथम सप्ताह

(सुरक्षित शनिवार)

सितम्बर माह का प्रथम शनिवार

डायरिया के संबंध में जानकारी तथा ओ.आर.एस. बनाने से संबंधित कौशल प्रशिक्षण

फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों द्वारा चर्चा एवं गतिविधि के माध्यम से

* चीनी (6 चुटकी),
* नमक (आधी चुटकी)

बनाने की प्रक्रिया :—

* पानी को साफ बर्तन में डाल दें।
* उसमें 6 चुटकी चीनी मिलाएं।
* फिर उस घोल में आधी चुटकी नमक मिलाएं।
* घोल में चीनी को पूरी तरह से मिला लें।

याद रखने वाली बातें :—

* ओ.आर.एस. का घोल बनाने से पहले हाथों को साबुन से धोयें।
* घोल में नमक की मात्रा का ध्यान रखें। मात्रा अधिक होने के कारण बच्चा घोल पीने से मना कर सकता है तथा बच्चे को बेहोशी और ऐंठन भी हो सकती है।
* नमक की मात्रा कम होने पर पुनर्जलीकरण प्रभावशाली नहीं हो पाता है।
* दस्त जब तक रुक ना जाए, तब तक बच्चे को कम से कम प्रतिदिन एक लीटर ओ.आर.एस. का घोल पिलाएं।
* ओ.आर.एस. धीरे—धीरे चम्मच से पिलाएं।
* यदि बच्चा उल्टी कर देता है तो दस मिनट तक रुक कर दोबारा ओ.आर.एस का घोल पिलाएं।
* ओ.आर.एस. के घोल को ठंडी जगह पर ही रखें।
* उतना ही ओ.आर.एस. का घोल बनाएं, जितना बच्चा एक दिन में पी सके।
* ओ.आर.एस. का घोल बनाये हुए 24 घंटे से अधिक का हो चुका है, तो उसका उपयोग न करें।

डायरिया या दस्त अक्सर गंदे पानी के प्रयोग से होता है अगर हम प्रदूषित नदी, तालाब, या कुआँ के पानी का प्रयोग करते हैं जिसके आसपास खुले में शौच होता है तो हम खतरे के दायरे में हैं। ऐसे पानी का प्रयोग अगर पीने, हाथ धोने, नहाने, खाना बनाने में करते हैं तो दस्त/डायरिया होने की पूरी संभावना होती है। गन्दगी से महामारी के रूप में डायरिया फैलने की संभावना होती है।

डायरिया के कारण :—

* दूषित खाना।
* दूषित पानी का सेवन करना।
* बच्चे के शौच को साफ करने के बाद हाथ अच्छी तरह साबुन से नहीं धोना।
* आस—पास गन्दगी का होना।

डायरिया के लक्षण :—

* बार—बार पानी जैसा पैखाना होना।
* अधिक कमजोरी होना।
* सूखा मुंह और सूखी त्वचा का होना।
* आँखों के नीचे काला पड़ना।
* चक्कर आना।

डायरिया के कारण बार—बार शौच होने से शरीर के जरूरी तत्व जैसे — पानी, नमक, मिनरल इत्यादि भी निचोड़ कर निकल जाता है, जिससे शरीर काफी कमजोर हो जाता है। ऐसे समय पर शरीर में पानी को वापस लाना आवश्यक हो जाता है।

डायरिया के इलाज का सबसे सरल उपाय है कि ओ.आर.एस. घोल का सेवन करें. ओ.आर.एस. पैकेट स्वास्थ्य केंद्र एवं मेडिकल स्टोर में मिलता है। इसे घर में भी बनाया जा सकता है। घरेलू भाषा में हम इसे पानी—नमक—चीनी का घोल भी कहते हैं। यह घोल शरीर में पानी के साथ—साथ जरूरी पोषक तत्वों की भी पूर्ति करता है।

ओ. आर. एस. बनाने के तरीके :—

जरूरी चीजें —

* साफ बर्तन,
* साफ पानी (एक लीटर),

माह—सितम्बर: विषय—जल संरक्षण

विषय परिचय	विद्यालय स्तर पर सुझाई गई गतिविधियाँ	समुदाय स्तर पर सुझाई गई गतिविधियाँ
समस्या: पानी की कमी और बर्बादी से जल संकट उत्पन्न हो रहा है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हो रहे हैं। **आवश्यकता:** जल संरक्षण के माध्यम से पानी की बर्बादी को रोकना और भविष्य के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करना।	1. वर्षा जल संचयन मॉडल बनाना और स्थापित करना। 2. पानी बचाने के उपायों पर निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता। 3. छात्रों को पानी बचाने की आदतें सिखाना (नल बंद रखना, पानी का सही उपयोग)। 4. जल परीक्षण (water testing) के बारे में जानकारी देना और छोटे प्रयोग कराना। 5. ''एक बूँद की कीमत'' पर नाटक या माइम शो करना।	1. समुदाय में वर्षा जल संचयन संरचना स्थापित करने का अभियान। 2. तालाबों, कुओं और नदियों की सफाई और संरक्षण अभियान। 3. लोगों को दैनिक जीवन में पानी बचाने की जानकारी देना और जागरूकता फैलाना। 4. तालाब एवं नदियों में कचरा न फेंकने के लिए प्रेरित करना।

(बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्)

द्वारा

संचालित "समझे - सीखें", गुणवत्ता शिक्षा कार्यक्रम के बीस सूचक -

1. *विद्यालय समय से खुलना एवं बंद होना ।*
2. *समय से चेतना सत्र का आयोजन ।*
3. *हर एक बच्चा एवं शिक्षक विद्यालय के समय विद्यालय में उपस्थित ।*
4. *हर एक बच्चा एवं हर एक शिक्षक सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में तल्लीन ।*
5. *शिक्षकों को बच्चे के शैक्षिक स्तर की जानकारी एवं उसका संधारण ।*
6. *सतत एवं व्यापक मूल्यांकन ।*
7. *कक्षा एक के लिए विशिष्ट रूप से निर्धारित पूर्णकालिक शिक्षक ।*
8. *विद्यालय के सभी कक्षाओं में श्यामपट्ट का पूर्ण उपयोग ।*
9. *सभी कक्षाओं में दैनिक शिक्षण-तालिका की उपलब्धता तथा उपयोग ।*
10. *अंतिम घंटी में खेलकूद, कला तथा सांस्कृतिक गतिविधियां ।*
11. *विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए कहानी की किताबें, खेल सामग्री आदि का उपयोग ।*
12. *मेनू के अनुसार मध्याहन भोजन का दैनिक वितरण ।*
13. *सक्रिय बाल-संसद तथा मीना मंच ।*
14. *साफ-सुथरे बच्चे तथा साफ-सुथरा विद्यालय ।*
15. *उपलब्ध पेयजल व्यवस्था एवं शौचालयों का उपयोग ।*
16. *विद्यालय परिसर में बागवानी ।*
17. *विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए अनुदानों का उपयोग ।*
18. *सभी बच्चों के पास अपनी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध ।*
19. *विद्यालय प्रबंध समिति की नियमित बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता पर चर्चा ।*
20. *विद्यालय में साप्ताहिक कक्षावार शिक्षक अभिभावक की नियमित बैठक ।*

चेतना

टीचर्स ऑफ़ बिहार
द चेंज मेकर
समस्तीपुर
पिन - 848207 (बिहार)

Mobile : 9473119007
7250818080

email : chetanastr@gmail.com
Website : www.teachersofbihar.org

Follow Us

@teachersofbihar

@teachersofbihar

@teachersofbihar

@teachersofbihar

@teachersofbihar